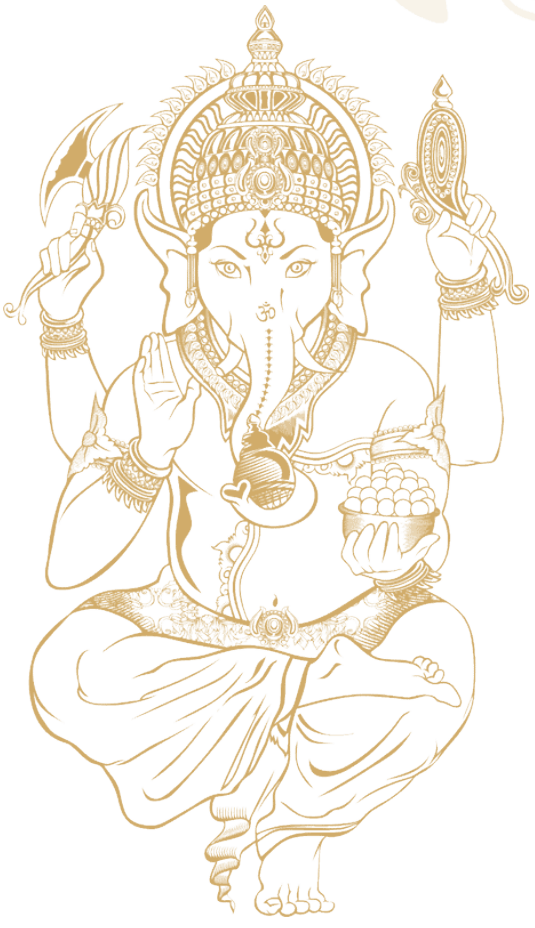

Mr.pranjwal

Ms.Jhalak

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120458903

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
27-28/06/2005	जन्म तिथि	05/10/2005
सोम-मंगलवार	दिन	बुधवार
घंटे 02:15:00	जन्म समय	14:05:00 घंटे
घटी 52:20:01	जन्म समय(घटी)	19:56:36 घटी
India	देश	India
Farrukhabad	स्थान	Fatehgarh
27:23:00 उत्तर	अक्षांश	27:22:00 उत्तर
79:35:00 पूर्व	रेखांश	79:38:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:11:40	स्थानिक संस्कार	-00:11:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:18:59	सूर्योदय	06:06:09
19:10:23	सूर्यास्त	17:53:18
23:55:56	चित्रपक्षीय अयनांश	23:56:10

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 3वर्ष 0मा 5दि	24:44:49	मेष	लग्न	मक	05:22:46	राहु 12वर्ष 8मा 6दि
शनि	12:20:41	मिथु	सूर्य	कन्या	18:16:09	गुरु
03/07/2008	00:49:16	मीन	चंद्र	तुला	10:36:17	12/06/2018
03/07/2027	16:51:33	मीन	मंगल व	मेष	29:20:50	12/06/2034
शनि 07/07/2011	05:37:37	कर्क	बुध	तुला	00:49:17	गुरु 30/07/2020
बुध 16/03/2014	15:44:49	कन्या	गुरु	तुला	01:33:50	शनि 10/02/2023
केतु 24/04/2015	05:36:19	कर्क	शुक्र	वृश्चि	03:04:21	बुध 18/05/2025
शुक्र 24/06/2018	03:42:16	कर्क	शनि	कर्क	15:19:47	केतु 24/04/2026
सूर्य 06/06/2019	25:31:50	मीन व	राहु	मीन	19:41:19	शुक्र 23/12/2028
चन्द्र 04/01/2021	25:31:50	कन्या व	केतु	कन्या	19:41:19	सूर्य 11/10/2029
मंगल 13/02/2022	16:45:59	कुंभ व	हर्ष व	कुंभ	13:35:19	चन्द्र 10/02/2031
राहु 20/12/2024	23:17:17	मक व	नेप व	मक	21:00:29	मंगल 17/01/2032
गुरु 03/07/2027	28:53:20	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	28:10:42	राहु 12/06/2034

लग्न-चलित

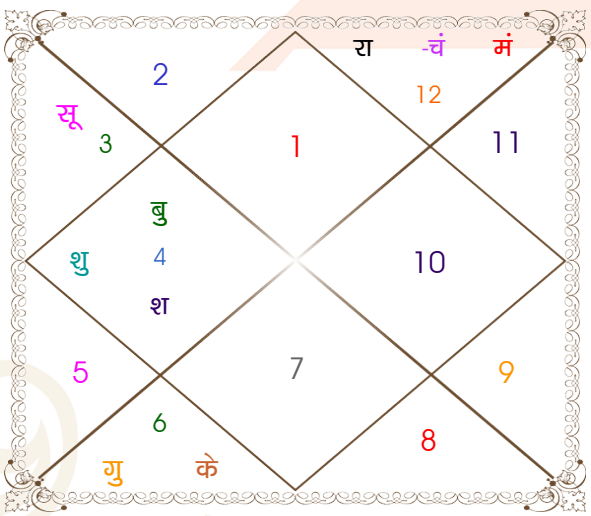

लग्न-चलित

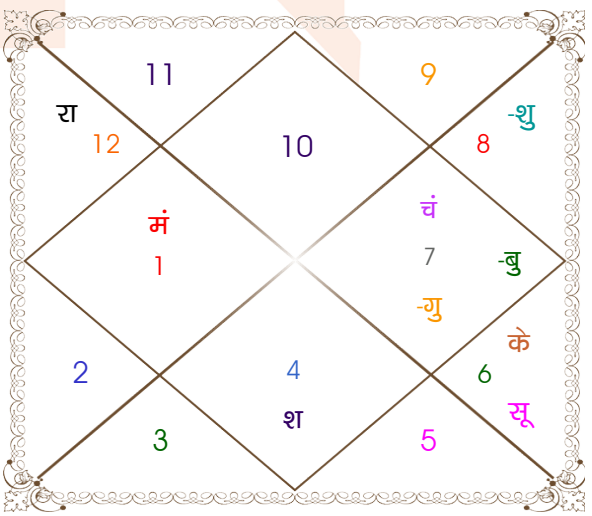

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	महिष	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Mr.pranjwal का वर्ग सर्प है तथा Ms.Jhalak का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.pranjwal और Ms.Jhalak का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.pranjwal मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Mr.pranjwal कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.Jhalak मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.Jhalak कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक

दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.Jhalak कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms.Jhalak कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Mr.pranjwal कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.pranjwal तथा Ms.Jhalak में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।